E-ISSN: 2664-603X
P-ISSN: 2664-6021
IJPSG 2022; 4(2): 164-166
www.journalofpoliticalscience.com
Received: 17-06-2022
Accepted: 26-08-2022

आदर्श प्रसाद
विद्यार्थी, स्नाकोत्तर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मांडर कॉलेज मांडर, राँची यूनिवर्सिटी, झारखंड, भारत

Corresponding Author:
आदर्श प्रसाद
विद्यार्थी, स्नाकोत्तर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मांडर कॉलेज मांडर, राँची यूनिवर्सिटी, झारखंड, भारत

भारत-बांग्लादेश संबंध

आदर्श प्रसाद

DOI: https://doi.org/10.33545/26646021.2022.v4.i2b.389

सारांश
भारत के पूर्व में स्थित बांग्लादेश भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है । भारत बांग्लादेश के साथ ऐतिहासिक भौगोलिक सांस्कृतिक सामाजिक और आर्थिक संबंध साझा करता है । भारत और बांग्लादेश पहले एक ही देश थे 1947 में भारत से पूर्वी पाकिस्तान के रूप में बांग्लादेश अलग हुआ और 1971 में बांग्लादेश स्वतंत्र देश में बना। साझा इतिहास, संस्कृति एवं भाषा दोनों देशों के मध्य साझेदारी बनाने में मदद करता है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत और बांग्लादेश के बीच समय-समय पर संयुक्त सी अभ्यास का संचालन होता है। दोनों देशों के मध्य ऊर्जा एवं बिजली के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट सहयोग देखने को मिलता है ।

भूमि सीमा समझौता 2015 में भारत बांग्लादेश के मध्य भूमि के दान प्रदान के साथ संपन्न हुआ जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संबंध स्थापित करने में लाभदायक रहा। परंतु दोनों देशों के मध्य अवैध घुसपैठ सबसे बड़ा विवाद एवं समस्या का मुद्दा रहा है जिससे देश की सुरक्षा एवं संरक्षण में समस्याएं पैदा होती हैं तीस्ता नदी जल विवाद सुलझाने के लिए अब तक किसी भी प्रकार का संधि पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं जो एक विवाद कभी से बना रहा है आता भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध को मजबूत करने के लिए दोनों देशों को अनेक महत्वपूर्ण पहल उठाने की जरूरत है ।

कुटशब्द: स्वतंत्रता, संस्कृति, तीस्ता नदी, घुसपैठ

प्रस्तावना

भारत-बांग्लादेश संबंध

जिस देश को आज हम बांग्लादेश के नाम से जानते हैं, वह 1947 से पहले भारत के बंगाल प्रान्त का हिस्सा हुआ करता था। 1947 मैं जब भारत का विभाजन हुआ और पाकिस्तान नामक एक नए देश का निर्माण हुआ तो बंगाल का यह मुस्लिम बहुल क्षेत्र पाकिस्तान का हिस्सा बना और इसे पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाने लगा। पूर्वी पाकिस्तान' और पश्चिमी पाकिस्तान की परिस्थितियों में काफ़ी विभिन्नता था। पूर्वी पाकिस्तान न केवल भौगोलिक रूप से बल्कि नश्ठीय और भाषा आधार से भी पश्चिमी पाकिस्तान से काफी अलग था। इस विभिन्नता के कारण कुछ ही वर्षों में पूर्वी पाकिस्तान में पश्चिमी पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ संघर्ष शुरू हो गया। 1971 को शेख मुजीबुर रहमान ने पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा कर दी। 1971 में पाकिस्तान में आंतरिक संकट और पूर्वी पाकिस्तान के विरोध के बाद, पश्चिमी पाकिस्तान ने जनरल टिक्का खान की सेना के ज़रिए पूर्वी पाकिस्तान में महिला, पुरुष, बच्चों पर अत्याचार आरम्भ कर दिया। जिसके डर से अधिकांश बांग्लादेश के नागरिक भारत सीमा में प्रवेश करने लगे । इस कारण भारत की आर्थिक स्थिति पर अधिक प्रभाव पड़ने लगा । भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्द्रिरा गांधी पूर्वी पाकिस्तान के समर्थन हेतु पश्चिम पाकिस्तान के विरुप राजनीति निर्णय द्वारा 3 दिसम्बर 1971 को युद्ध आरम्भ कर दिया और बाग्लादेश की मुक्तवाहिनी सेना तथा भारतीय सैना के द्वारा 16 दिसम्बर 1971 ई. में पाकिस्तान को पराजित कर दक्षिण एशिया के नये राष्ट्र रूप में बांग्लादेश का उदय हुआ। भारत विश्व का पहला देश था जिसने बांग्लादेश को एक पृथक एवं स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता प्रदान की थी और दिसंबर 1971 में इसकी स्वतंत्रता के तुरंत एक मित्र दक्षिण एशियाई पड़ोसी देश के रूप में बांग्लादेश के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किये थे। बांग्लादेश की भूमि तीन ओर से भारत की सीमा से घिरी है और चौथी ओर बंगाल की खाड़ी स्थित है। भारत और बांग्लादेश 4096.7 किमी. सीमा रेखा साझा करते हैं । भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति में बांग्लादेश एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। बांग्लादेश के साथ भारत के भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक संबंध हैं। एक साझा

इतिहास एवं विरासत, भाषाई एवं सांस्कृतिक संबंध, संगीत, साहित्य और कला के लिये एकसमान उत्साह आदि दोनों देशों को परस्पर संबद्ध बनाती है। उल्लेखनीय है कि भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रगान वर्ष 1911 और 1905 में बंगाली-भारतीय पॉलीमैथ रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखे गए थे।

बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम

3 दिसंबर, 1971 को भारत सरकार ने बंगाली मुसलमानों और हिंदुओं को बचाने के लिये पाकिस्तान के साथ युद्ध करने की घोषणा की थी और यह युद्ध 13 दिनों तक चला। 16 दिसंबर, 1971 को भारतीय सेना की सहयोगी मुक्ति वाहिनी सेना के समक्ष पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने 93,000 सैनिकों के साथ बंगाल के ढाका में बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया था। वर्ष 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय हुई और बांग्लादेश का उद्भव हुआ, इसके उपलक्ष्य में बांग्लादेश द्वारा प्रत्येक वर्ष 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

रक्षा सहयोग

भारत और बांग्लादेश 4096.7 किमी. सीमा रेखा साझा करते हैं भारत अपने पड़ोसी देशों में सबसे ज्यादा भू सीमा बांग्लादेश के साथ साझा करती है। बांग्लादेश की भू सीमा तीन ओर से भारत की भू सीमा से घिरी है और चौथी ओर बंगाल की खाड़ी स्थित है। भारत-बांग्लादेश भूमि सीमा समझौता जून 2015 में विभिन्न अनुसमर्थनों की पुष्टि के बाद लागू हुआ। रक्षा क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत और बांग्लादेश के सेना के बीच समय पर विभिन्न संयुक्त अभ्यासों का संचालन किया जाता है

सास्कृतिक आदान-प्रदान

साझा इतिहास, संस्कृति और भाषा दोनो देशों के बीच मैत्री और साझेदारी बनाने में मदद करते हैं। बांग्लादेश में इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (IGCC) का एक खास है जो लोगों को भारतीय संस्कृति के बारे में जानने में मदद करती है। यह 11 मार्च, 2010 को खुला और संगीत और नृत्य शो जैसे कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। IGCC योग, हिंदी और विभिन्न प्रकार के नृत्य और पेंटिंग जैसी चीजें भी सिखाता है, लोगों के बीच अधिक से अधिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद बांग्लादेशी छात्रों को भारत में अध्ययन करने के लिए हर साल 100 छात्रवृत्तियाँ देता है। ये छात्रवृत्तियाँ विभिन्न विषयों, जैसे कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग और यहाँ तक कि संस्कृति, नाटक, संगीत, ललित कला और खेल एवं विशेष पाठ्यक्रमों के लिए हो सकती हैं।

बिजली और ऊर्जा क्षेत्र

दोनों देशों के बीच ऊर्जा एवं बिजली के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट सहयोग देखने को मिलता है। वर्ष 2017 में बांग्लादेश भारत से लगभग 660 मेगावाट बिजली का आयात कर रहा था। अप्रैल 2017 में भारतीय और बांग्लादेश के बीच सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों के बीच 3600 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन आपूर्ति/वित्तपोषण के समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए थे।

राजनीतिक संबंध

बांग्लादेश ने दिसंबर 1971 में अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की तब से भारत के साथ उसकी अच्छी मैत्री रही है। भारत उन पहले देशों में से एक था जिसने कहा, "हम आपको एक देश के रूप में मान्यता देते हैं!" और बांग्लादेश के साथ राजनीतिक साझेदारी शुरू किया। भूमि सीमा समझौता 2015 में भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि के आदान-प्रदान के साथ संपन्न हुआ था, यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटना थी जिससे दोनों देशों को लाभ हुआ।

दोनों देशों के बीच प्रमुख चिंताएँ

भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के बीच अवैध घुसपैठ(जिसमें शरणार्थी और आर्थिक प्रवासी दोनों शामिल हैं) जो सबसे बड़ा विवाद एवं समस्या का मुद्दा रहा है। यह आज भी जारी है। बांग्लादेश से बहुत से लोग भारत के आस-पास के इलाकों में रहने के लिएअवैध घुसपैठ कर आए हैं, और इससे वहां पहले से रह रहे लोगों के लिए बड़ी समस्याएँ पैदा हो गई हैं। इससे उनके लिए भोजन, पानी रोजगार और सीमित संसाधनों का बंटवारा जैसी चीज़ें साझा करना मुश्किल हो जाता है, और इससे सुरक्षा और देश के संचालन के तरीके को लेकर भी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जिसका उद्देश्य भविष्य में बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकना हैए ने भी बांग्लादेश में गहरी चिंता पैदा कर दी है । नदी जल का बँटवारारू भारत और बांग्लादेश 54 नदियाँ साझा करते हैं। तीस्ता नदी जल विवादरू तीस्ता नदी भारत से बांग्लादेश में प्रवेश करते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर प्रवाहित होती है। पश्चिम बंगाल के लगभग आधा दर्जन ज़िले इस नदी पर निर्भरता रखते हैं। और बांग्लादेश की शिकायत है कि उसे जल का प्रयाप्त हिस्सा प्राप्त नहीं होता है। और तीस्ता जल बँटवारे विवाद को सुलझाने के लिये अभी तक दोनों देशों के बीच किसी भी प्रकार की कोई संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया गया है। मादक पदार्थों की तस्करी रू सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी की कई घटनाकालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेखएं सामने आई हैं । इसके अलावाए मानव तस्करी (खासकर बच्चों और महिलाओं की) और सीमा क्षेत्र में विकालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेखभिन्न वन्यजीवों और पक्षियों के अवैध शिकार की घटनाएं भी होती रहती हैं ।

निष्कर्ष

भारत और बांग्लादेश दक्षिण एशिया के पड़ोसी देश हैंए जिनकी सीमाएँ, संस्कृति, भाषा और बहुत कुछ एक दूसरे से मिलती-जुलती हैं । भारत की सुरक्षा के लिए पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना महत्वपूर्ण है । दोनों देशों के बीच कुछ विवाद हैं जो रिश्तों को कमजोर कर रहे हैंए जैसे तीस्ता विवादए घुसपैठ आदिए जिनका असर दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ा है । भारत और बांग्लादेश को अपनी भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को मित्रता और सहयोग के माध्यम से प्रबंधित करना चाहिए । यह जरूरी है कि दोनों देश अल्पकालिक लाभ के लिए अपने दीर्घकालिक हितों से समझौता न करें । भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए दोनों देश आगे बढ़कर अनेक कदम उठाने चाहिए ।

संदर्भ

1. डॉ. सतीश कुमार "भारत बांग्लादेश सम्बन्ध रू उभरते आयाम" प्रकाशन अनु बुक 2017
2. सलाम आज़ाद "बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत का योगदान" प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट 2014
3. Chandrashekhar Das gupta "India and the Bangladesh Liberation War" Publisher Juggernaut (20 November

2021); Juggernaut, C-I-128, First Floor, Sangam Vihar, Near Holi Chowk, New Delhi 110080
4. li Riaz "Bangladesh: A Political History Since Independence" Publisher Bloomsbury Academic India (18 July 2019)
5. https://www.mea.gov.in/Images/pdf/india-bangladesh-relations-04-05-2012-press-release-hindi.pdf
6. https://testbook.com/hi/ias-preparation/india-bangladesh-relations
7. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/india-bangladesh-relations
8. https://www.bbc.com/hindi/international-59568685
9. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-news-analysis/50-years-of-india-bangladesh-relations
10. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4-%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B2%E0%A4%BE%E0%A4%A6%E0%A5%87%E0%A4%B6_%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%AC%E0%A4%82%E0%A4%A7